

अध्याय - 4 | हरिद्वार (भारतेंदु हरिश्चंद्र)

QUIZ PART-17

1. 'आज की पहेली' में पहला प्रश्न किससे संबंधित है?
- एक नदी का नाम
 - एक मसाले का नाम
 - एक तीर्थ का नाम
 - एक वृक्ष का नाम

(B)

व्याख्या: 'आज की पहेली' में पहला प्रश्न पाठ से एक मसाले का नाम खोजने के लिए कहा गया है।

2. 'आज की पहेली' का दूसरा प्रश्न किस विषय से जुड़ा है?
- नदी
 - वृक्ष
 - कपास
 - पक्षी

(C)

व्याख्या: दूसरे प्रश्न में कपास से जुड़ा एक शब्द खोजने के लिए कहा गया है।

3. 'जहाँ स्नान होता है' यह किस प्रकार का शब्द खोजने को कहा गया है?
- पर्वत
 - घाट
 - मसाला
 - नगर

(B)

व्याख्या: पाठ के अनुसार जहाँ स्नान होता है, वह 'घाट' कहलाता है।

4. 'वृक्ष के किसी अंग का नाम' किस अभ्यास का भाग है?
- खोजबीन के लिए
 - यात्रा के व्यय की गणना
 - आज की पहेली
 - झरोखे से

(C)

व्याख्या: यह प्रश्न 'आज की पहेली' शीर्षक के अंतर्गत दिया गया है।

5. 'व्यापार से जुड़ा स्थान' खोजने का निर्देश किस भाग में है?
- यात्रा सबके लिए
 - आज की पहेली
 - झरोखे से
 - खोजबीन के लिए

(B)

व्याख्या: 'आज की पहेली' में व्यापार से जुड़े स्थान का नाम खोजने को कहा गया है।

6. 'हरिद्वार के मार्ग में' अंश में किस रंग का पक्षी देखा गया?

- लाल
- हरा
- पीला
- नीला

(C)

व्याख्या: अंश में एक पीले रंग का छोटा और मनोहर पक्षी देखने का उल्लेख है।

7. बया पक्षी अपने घोंसले किस प्रकार के वृक्ष में बनाती है?

- आम के वृक्ष में
- नीम के वृक्ष में
- बबूल के काँटे वाले वृक्ष में
- पीपल के वृक्ष में

(C)

व्याख्या: अंश में बताया गया है कि बया अपने घोंसले सूखे बबूल काँटे के वृक्ष में बनाती है।

8. बया के घोंसले एक डाल में कितने-कितने लटकते हैं?

- पाँच-पाँच
- दस-दस
- बीस-बीस, तीस-तीस
- सौ-सौ

(C)

व्याख्या: पाठ में उल्लेख है कि एक-एक डाल में बीस-बीस, तीस-तीस घोंसले लटकते हैं।

9. 'झरोखे से' भाग में क्या करने के लिए कहा गया है?

- कविता लिखने के लिए
- एक अन्य पत्रांश पढ़कर विचार करने के लिए
- चित्र बनाने के लिए
- यात्रा करने के लिए

(B)

व्याख्या: 'झरोखे से' शीर्षक के अंतर्गत एक और पत्रांश पढ़कर आपस में विचार करने को कहा गया है।

10. 'खोजबीन के लिए' भाग में किस रचना को पढ़ने का निर्देश दिया गया है?

- भारत दुर्दशा
- अंधेर नगरी
- सत्य हरिश्चंद्र
- प्रेमयोगिनी

(B)

व्याख्या: इस भाग में भारतेंदु हरिश्चंद्र के प्रसिद्ध नाटक 'अंधेर नगरी' को पढ़ने का निर्देश दिया गया है।